Roll No. : ..... Total Pages : 5

4381

M.A. (Previous) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper – I

हिन्दी साहित्य का इतिहास (प्राचीन एवं मध्यकालीन)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART–A [Marks : 20]

(खण्ड-अ)

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B [Marks : 50]

(खण्ड-ब)

Answer *five* questions (250 words each). Select *one* question from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C [Marks : 30]

(खण्ड-स)

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(इकाई–I)

(i) देशी भाषा किसे कहा गया है?

(ii) हिन्दी का प्रथम महाकाव्य किसे माना गया है और उसके लेखक कौन हैं?

(इकाई–II)

(iii) भक्तिकाल में गुजरात में किसने द्वैतवादी वैष्णव संप्रदाय चलाया?

(iv) मलिक मुहम्मद जायसी की फारसी में कौन-सी रचना है?

(इकाई–III)

(v) नाभादास रचित भक्तमाल की टीका किसने लिखी है?

(vi) मीरा की उपासना कैसी थी?

(इकाई–IV)

(vii) हिन्दी रीतिग्रन्थों की परम्परा का सूत्रपात किसने किया था?

(viii) रामचंद्र शुक्ल के अनुसार रीतिकाल के प्रतिनिधि कवियों में सर्वाधिक रचनाएँ देने वाले कवि कौन हैं?

(इकाई–V)

(ix) रीतिकाल के कवि आलम को किस कोटि में माना गया है?

(x) कवि घनानंद किस बादशाह के मीर मुंशी थे?

खण्ड-ब

(इकाई–I)

2. आदिकाल के सिद्ध साहित्य एवं उसकी प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

3. 'विद्वानों ने हिन्दी-साहित्य के जो इतिहास लिखे, उन्हें सच्चे अर्थों में इतिहास तो नहीं कह सकते, लेकिन उन ग्रंथों ने इतिहास की एक रूपरेखा अवश्य प्रस्तुत कर दी।' उक्त कथन को अपने मत से स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–II)

4. भक्ति आंदोलन के उद्‌भव के विभिन्न कारणों को संक्षेप में समझाइए।

अथवा

5. हिन्दी भक्ति-साहित्य में निर्गुण कविता के विविध पक्षों को स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–III)

6. ''कृष्णभक्ति का प्रभाव आज तक भारतीय लोकचेतना में पूरी तरह से परिव्याप्त है।'' प्रस्तुत कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

7. भक्ति-इतर काव्य को समझाते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

(इकाई–IV)

8. रीतिकाल में लक्षण ग्रंथों की परम्परा को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

अथवा

9. रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि क्या है? समझाइए।

(इकाई–V)

10. रीतिकाल में रीतिबद्ध धारा के कवियों का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

अथवा

11. रीतिकालीन कवियों की 'कवित्त्वशक्ति एवं मौलिकता' को संक्षेप में समझाइए।

खण्ड-स

(इकाई–I)

12. 'समय-समय पर आदिकाल का जो साहित्य मिलता रहा है, उससे अभी भी इस कालखण्ड के नामकरण की अनिश्चितता बनी हुई है।' डॉ. नगेन्द्र के इस मत की मीमांसा कीजिए।

(इकाई–II)

13. भक्तिकाल में संत साहित्य की भक्ति-विषयक अवधारणाओं के संबंध में अपना मत दीजिए।

(इकाई–III)

14. तुलसीदास की प्रमुख कृतियों के आधार पर रामकाव्य में विविध गुणों के समाहार को स्पष्ट कीजिए।

(इकाई–IV)

15. दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परम्परा के संबंध में रीतिकाल का मूल्यांकन कीजिए।

(इकाई–V)

16. मध्यकालीन काव्य में मुसलमान कवियों के योगदान पर अपना मत स्पष्ट कीजिए।